भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अंतारांकित प्रश्न सं. 517
07/12/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

देश के तटों पर होने वाला तटीय क्षरण

517. श्री जोस के. मणि :

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास स्वतंत्रता के बाद से देश के तटों पर हो रहे तटीय कटाव की सीमा के संबंध में आंकड़े मौजूद हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की तटीय कटाव और समुद्र के बढ़ते जल स्तर के कारण अपनी भूमि खोने के कगार पर पहुंच गए समुदायों के पुनर्वास की कोई योजना है ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा देश के तटों पर होने वाले तटीय कटाव को रोकने के लिए क्या पहल की गई है ?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (**NCCR**) के माध्यम से तटरेखा कटाव का आकलन किया है और **1990-2018** की अवधि के लिए रिमोट सेंसिंग डेटा का उपयोग करके समुद्री कटाव से प्रभावित होने वाले तटीय क्षेत्रों की पहचान की है।

(ख) देश के राज्य-वार तटरेखा परिवर्तन (1990-2018) नीचे दिए गए हैं:

क्र. सं.	**राज्य**		**तटीय लंबाई** (किमी में)*	**तटीय लंबाई** (किमी में)*					
				कटाव		**स्थिर**		**अभिवृद्धि**	
				किमी	**%**	**किमी**	**%**	**किमी**	**%**
1.	पश्चिमी तट	गुजरात	1945.6	537.5	27.6	1030.9	53.0	377.2	19.4
2.		दमन और दीव	31.83	11.02	34.6	17.09	53.7	3.72	11.7
3.		महाराष्ट्र	739.57	188.26	25.5	477.69	64.6	73.62	10.0
4.		गोवा	139.64	26.82	19.2	93.72	67.1	19.1	13.7
5.		कर्नाटक	313.02	74.34	23.7	156.78	50.1	81.9	26.2
6.		केरल	592.96	275.33	46.4	182.64	30.8	134.99	22.8

7.	पूर्वी तट	तमिलनाडु	991.47	422.94	42.7	332.69	33.6	235.85	23.8
8.		पुदुचेरी	41.66	23.42	56.2	13.82	33.2	4.42	10.6
9.		आंध्र प्रदेश	1027.58	294.89	28.7	223.36	21.7	509.33	49.6
10.		ओडिशा	549.5	140.72	25.6	128.77	23.4	280.02	51.0
11.		पश्चिम बंगाल	534.35	323.07	60.5	76.4	14.3	134.88	25.2
कुल			**6907.18**	**2318.31**		**2733.86**		**1855.03**	
%				**33.6**		**39.6**		**26.9**	

(ग) और (घ) जी हाँ। XVवें वित्त आयोग ने सिफारिश की है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, तटीय और नदी कटाव के कारण होने वाले लोगों के व्यापक विस्थापन से निपटने के लिए उपयुक्त मानदंड/नीति विकसित करे। उन समुदायों जो तटीय कटाव और बढ़ते समुद्र स्तर के कारण अपनी भूमि खोने के कगार पर हैं ,के पुनर्वास की योजनाएँ नीति का हिस्सा हैं।

(ङ) राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र ने पुडुचेरी और केरल के चेल्लानम मत्स्ययन वाले गांव में नवीन तटीय कटाव शमन उपायों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है। इसने पुडुचेरी में खोए हुए समुद्र तट को बहाल करने और चेल्लानम मत्स्ययन वाले गांव में बाढ़ से तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा में मदद की है। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र, संवेदनशील हिस्सों में तटीय सुरक्षा उपायों को डिजाइन करने और तटरेखा प्रबंधन योजनाओं की तैयारी में तटीय राज्यों को वैज्ञानिक और तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है।

*****